भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)

दण्डकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी

प्रेस वक्तव्य

दिनांक–06/04/2021

फासीवादी 'समाधान–प्रहार' सैनिक अभियान को जीरागुड़ेम गांव के पास पीएलजीए का मुंहतोड़ जवाब

प्यारे जनता!

2021 अप्रैल 3 तारीख, बस्तर आईजी सुंदरराज पी का नेतृत्व में सुकमा, बीजापुर जिलों का गांवों पर भारी हमला करने के लिए 2000 पुलिस बल आ गए.

2020 अगस्त महीने में अमित शाह के नेतृत्व में दिल्ली में हुआ एक बैठक में इस सैनिक अभियान को योजना बनाया था. उसके बाद रायपुर केन्द्र बनाकर काम करने वाला के विजय कुमार के नेतृत्व में अक्टोबर महीने में पांच राज्यों के पुलिस अधिकारियों के साथ तेलंगाना–वेंकटापुरम में हुआ बैठक में इस सैनिक अभियान का जमीनी स्तर का योजना बनाया. बस्तर आईजी सुंदरराज पी को इस सैनिक अभियान का प्रभारी बनाया. केन्द्र सरकार इस अभियान को कार्रवाई का विशेष अधिकारी के रूप में अशोक जुनेजा (डी.जी.पी.) को नियुक्त किया गया है.

2020 नवम्बर से शुरू हुआ इस सैनिक अभियान में 150 से ऊपर ग्रामीण जनता को हत्या किया. इस में कुछ हमारा पार्टी कार्यकर्ता और नेता लोग भी हैं. हजारों जनता को जेल में डाल दिया है. महिलाओं पर अत्याचार करके हत्या किया है. जनता के धन–माल को विध्वंस किया और संपत्ती को लूट किया हैं. एक तरफ इस हत्याकाण्ड को बढ़ाते हुए, दूसरी तरफ पुलिस कैम्प निर्माण, कैम्प अनुशंधान करने वाल सड़क बना रहें हैं. इसी को विकास के नाम से झूठ प्रचार कर रहे है. जन कल्याण के लिए जनता ना सरकारों ने स्कूल और हॉपिस्टल चला रहें हैं. इस स्कूल और हॉपिस्टल को इस अभियान में ध्वस्त कर रहा है. दूसरी ओर झूठ प्रचार कर रहा है कि माओवादी विकास विरोधी. पुलिस कैम्प और सरकार का विध्वंस के विरोध में हजारों संख्या में दण्डकारण्य के पैमाने पर बड़ा आंदोलन हो रहा है. स्कूल और अस्पताल मांग कर रहें हैं. पुलिस कैम्प को हटाने के लिए मांग कर रहें हैं.

साम्राज्यवाद अनुकूल और जन विरोधी फासीवादी मोदी का 2000 पुलिस बल अप्रैल 3 तारीख में एक बड़ा हमला करने के लिए जीरागुड़ेम गांव के पास आया है. इसको रोखने के लिए पीएलजीए ने प्रतिहमला किया है. इस वीरतापूर्वक प्रतिहमला में किराया पुलिस 24 मर गया, 31 जन से ऊपर घायल हुआ, एक पुलिस बंदी के रूप में हमको मिला और बाकी पुलिस वाला भाग गए. इस घटना से पहले जीरागुड़ेम गांव का माड़वी सुक्काल को पकड़कर हत्या करके और झूठ बोल रहा है कि एक माओवादी फायरिंग में मारा गया.

इस साहसिक प्रतिहमला में हमारा चार पीएलजीए योद्धाओं ने अपने प्राण न्यौछावर दिया है. इसमे 1. कॉमरेड ओड़ी सन्नी, 2. कॉमरेड पदाम लखमा, 3. कॉमरेड कोवासी बदरू, 4. कॉमरेड नूपा सुरेश. लेकिन कॉमरेड सन्नी का लाश को हम नही ले पाए हैं. बाकी तीन जन कॉमरेडों को क्रांतिकारी जनता के बीच में, क्रांतिकारी रीति–रिवाज के तहत अंतिम विदा दे दिए हैं.

दरअसल आम पुलिस हमको दुश्मन नहीं हैं. शासक वर्ग थोपा हुआ अन्याय युद्ध में बकरा का बली नहीं बनने के लिए हम अनुरोध कर रहें हैं. इस घटना में मृत पुलिस परिवार लोगों को हम खेद प्रकट कर रहें हैं.

इस वीरतापूर्वक प्रतिहमला में 14 हथियार, 2000 से ऊपर कारतूस और कुछ साजो सामान को हमारा पीएलजीए ने जप्त किए हैं.

साम्राज्यवादी और दलाली बूर्जवाओं का खिलौना नरेन्द्र मोदी ने देश के अंदर सार्वजनिक संस्थाओं का अंबानी और अडानी जैसे कम्पनी और विदेशी कम्पनियों को सौंप देने वाला बात संसद में घोषणा कर रहें हैं. बोल रहा है कि पूंजीपतियों से ही देश का विकास हो जाता है. उनका लूट को रोखते हुए माओवादी पार्टी एक दिवाल के रूप में खड़ा हो गया है. इसीलिए माओवादी रहित नया भारत लक्ष्य घोषणा कर रहा है. माओवादी प्रभावित इलाका में सैनिक अभियान चला रहें हैं. 2022 के अंत तक माओवादी पार्टी को उन्मूलन के लिए लक्ष्य घोषणा किया है. फिलहाल जीरागुड़ेम घटना

के बाद आनन–फानन में अमित शाह जगदलपुर और बासागुड़ेम आया है. इस संदर्भ में बोल रहा है कि पुलिस बल में मनोबल उच्च स्तर में है और माओवादी के खिलाफ इस सैनिक अभियान और तेज गति से चलाएंगे. इसी से समझ में आ रहा है कि साम्राज्यवादी और दलाल पूंजीपतियों को इतना अस्वाशन दे रहा है.

ऊपर बताया हुआ परिस्थितियों में, जल, जंगल, जमीन, इज्जत और प्राण को बचाने के लिए अनिवार्य परिस्थिति में प्रतिहमला करने के लिए हम मजबूर हो रहें हैं.

वार्ता के बारे में एक शब्द – वार्ता के लिए हम कभी भी तैयार हैं. सरकार ईमानदार नही है. पूर्व में हुआ वार्ताओं में शसस्त्र संघर्ष करने वाला कभी भी हथियार नही छोड़ा था. वार्ता करने के लिए अनुकूल महौल बनाने का जिम्मा सरकार का है. पुलिस बलों का एकात्रित करना, कैम्प बनाना, हमला करना और दमन चलाना जैसे कामों को रोक देने से वार्ता हो जाता है. वैसा नही करके कोंडागांव, नारायणपुर, बीजापुर जिलों में सैनिक अभियान चला रहा है. आत्मारक्षा के रूप में प्रतिहला करना पड़ रहा है. इसी में पुलिस मर गए. इसका जिम्मेदार फासीवादी मोदी, अमित शाह, बुपेष बघेल, ताम्रद्वज शाहु, विजय कुमार, अशोक जुनेजा और सुंदरराज पी हैं.

मोदी सत्ता में आने के बाद, इस सात साल में देश का अर्थव्यवस्था गहरा संकट में गिर गया. राजनीतिक संकट गहरा हो रहा है. जनता का जान–माल के लिए खतरा मंड्रा रहा है. देश का संपत्ति को उठाके ले जाने के लिए कोशिश चल रहा है. देश के अंदर सभी वर्गों के ऊपर – दलित, आदिवासी, धार्मिक अल्पसंख्यक, महिला, मजदूर, किसान, कर्मचारी, छात्र, जनवादी ताकतों और जन संगठनों के ऊपर फासीवादी दमन चला रहें हैं. विरोध करने वाला बुद्धिजीवि, मानवाधिकार संगठन, पत्रकारों को 'अर्बन माओइस्ट' बोलकर जेल में डाल रहें हैं. आखिर संसदीय पार्टियों का कुछ नेताओं के ऊपर भी इस फासीवादी हमला हो रहा है. सभी संवैधानिक व्यवस्थाओं को निष्क्रिया करके, N.I.A. (राष्ट्रीय जांच एजेन्सी) को विस्तृत अधिकार देकर फासीवादी तरीका को कानूनन बना रहें हैं. इसके उल्टा बोल रहा है कि आरएसएस और बीजेपी देश भक्त हैं.

जल–जंगल–जमीन, इज्जत और अधिकार नारा देते हुए जंगल और विशाल ग्रामीण क्षेत्रों में जनता लड़ाई के माध्यम से प्राकृतिक संसाधन और संपत्ति को बचा रहें हैं. सच्चाई देश भक्त यही लोग हैं इन सभी आंदोलनों को सीपीआई (माओवादी) नेतृत्व देते हुए, उन आंदोलनों को मिलटेंट के रूप में आगे बढ़ा रही है. जनांदोलनों के साथ–साथ जनयुद्ध को चला रहें हैं.

आज देश अत्यंत कठिन परिस्थिति में है. देश का जनता का सुरक्षा के लिए फासीवादी मोदी और अमित शाह बड़ा खतरा के रूप में सामने आ गया है.

सभी संवैधानिक व्यवस्थाओं को निष्क्रिय करने का परिस्थिति में, कानून आंदोलन के ऊपर बर्बर दमन थोपने का परिस्थिति में, जनांदोलन और जनयुद्ध मिलजुल कर होने वाला सशस्त्र संघर्ष का रास्ता एक मात्र विकल्प के रूप में जनता के सामने है. 'जनता को सभी अधिकार' जैसे पॉलसी के साथ चल रहे जनता ना सरकार आज सही विकल्प है. हम अनुरोध कर रहा है कि सभी वर्ग का और सभी तबका का जनता जनताना सरकार का मजबूतीकरण में और विस्तारकरण में शामिल हो जावो. मोदी और अमित शाह कितना भारी हत्याकाण्ड को योजना बनाने से भी, उन सभी योजनाओं को जनयुद्ध के माध्यम से मुंहतोड़ जवाब देएंगे.

सूचना : सरकार पहला निर्दिष्ट रूप से मध्यवर्तियों का नाम घोषणा करना है. उसके बाद हमारे पास बंदी के रूप में रहा पुलिस को सौंप देएंगे. तब तक वह जनताना सरकार का सुरक्षा में सुरक्षित रहेगा.

क्रांतिकारी अभिनंदन के साथ

विकल्प

(विकल्प)

प्रवक्ता

दण्डकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)